(6)

संख्या -906/व.ग्रा.वि./उद्यान/174/2002

प्रेषक,

संजीव चोपड़ा
सचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

निदेशक
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ,उत्तरांचल
उद्यान भवप चौबटिया ,रानीखेत

वन एवं ग्राम्य विकास शाखा : उद्यान, देहरादून : दिनांक : 16/11/2002

विषय :-राजकीय उद्यान ढकरानी जनपद देहरादून में फलोरीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर पार्क की स्थापना।

महोदय,

राजकीय उद्यान ढकरानी जनपद देहरादून के 16 हैक्टेयर क्षेत्र में फलोरीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर पार्क की स्थापना किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सैद्धान्तिक सहमति प्रदान करते है ।

2. उपरोक्त फ्लोरीकल्चर पार्क कीस्थापना के सम्बधं में योजनाओं का कियान्वयन इस प्रकार से किया जाय कि छोटी जोत वाले किसान अधिक से अधिक सख्या में लाभान्वित हो। और उनके द्वारा उत्पादित फूलों की बिकी के सन्दर्भ में उन्हें विक्रय मूल्य का त्वरित एवं सामयिक भुगतान सुनिश्चित करने हेतु रिवाल्विंग फण्ड अथवा अन्य व्यवस्था का प्राविधान किया जाय ।

3. गुलाब व ग्लैडियोलाई की पारम्परिक किस्मों के अतिरिक्त पुष्पों की अन्य किस्में जिनकी बाजार में मांग हों को भी सम्मिलित किया जाय ।

4. परियोजना के प्रासांगिक ब्यौरों यथा रिवाल्विंग फण्ड या अन्य तत्सम्बंधी व्यवस्था राज्य सरकार के अशंदान भूमि का मूल्यांकन आदि के सम्बंध में शासन का अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त परियोजना को अन्तिम रुप दिया जाय ।

5. प्रस्तावित फलोरीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर पार्क संयुक्त क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा इसमें ढकरानी स्थित उद्यान की भूमि उत्तरांचल शासन की भागीदारी के रुप में रहेगी ।

6. परियोजना के अर्न्तगत ढकरानी में केन्द्रीय उत्पादन सुविधा का निर्माण किया जाएगा इसके अर्न्तगत एक केन्द्रीय पैक हाउस रहेगा जिसमें बाहर के उत्पादकों से प्राप्त फूलों की पैकिगं एवं ग्रेडिंग की जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी इस पार्क में एक केन्द्रीय पौधशाला भी बनाई जायेगी इसमें उच्च श्रेणी के दो साल के गुलाब के पौधे ग्लैडियोलाई जैसी फसलें एवं अन्य पुष्पों की उत्तम किस्मों का उत्पादन किया जायेगा इसी केंन्द्रीय इकाई में विपणन की भी पूर्ण व्यवस्था होगी और यह इकाई अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग लेगी. इस परियोजना के माध्यम से उत्तरांचल में फूलों की एक विशिष्ट ब्रान्ड का उत्पादन किया जायेगा जिसे "गंगोत्री" नाम दिया जाएगा ।

7. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा किये गये अध्ययन से यह पता चलता है कि इस समय उत्तरांचल में कृषकों को अपनी सामान्य फसलों से औसतन 4500/– प्रति हैक्टेयर की वार्षिक आय होती है जबकि फूलों की खेती के परिणामस्वरुप इसमें 20 गुना तक की वृद्धि की सम्भावना है. फलोरिकल्चर पार्क से लगभग 400 व्यक्तियों को सीधे रोजगार मिलेगा जबकि स्वंय सहायता ग्रुपों के माध्यम से 300 से 400 अन्य व्यक्तियों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराये जा सकेगें ।

8. वित्त विभाग द्वारा यह मत व्यक्त किया गया है कि परियोजना के लिए भूमि का मूल्यांकन बाजार भाव से कम दरों पर न किया जाए तथा इस प्रकार किया जाए कि परियोजना में कम से कम दस प्रतिशत अशपूंजी उत्तरांचल सरकार की रहें ।

भवदीय

(संजीव चोपड़ा)
सचिव

संख्या 906 /व.ग्रा.वि./उद्यान/174/2002 ,तद्दिनांक :–

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. मुख्य सचिव ,उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
2. प्रमुख सचिव एवं आयुक्त ,वन एवं ग्राम्य विकास , उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
3. प्रमुख सचिव वित्त , उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
4. सचिव नियोजन , उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
5. सचिव उद्योग , उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
6. सचिव कृषि , उत्तरांचल शासन ,देहरादून।
7. संयुक्त सचिव ,नागरिक एवं आपूर्ति मंत्रालय ,भारत सरकार ।
8. अध्यक्ष ,एपिडा ।
9. कुलपति,कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ,पन्तनगर ।
10. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से

(एस.पी.सुबुद्धि)
संयुक्त सचिव